जैविक सूत्रीकरण के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाना

मित्र फफूंद व मित्र जीवाणु से बीज व भूमि उपचार से बेहतर अंकुरण एवं उपज

मरूसेना 1: मित्र फफूंद *ट्राईकोर्डमा* का टाल्क व मीगंनी खाद से तैयार सूत्रीकरण। इसमें मित्र फफूंद 120 दिन तक जिन्दा रह सकती है।

उपयोग विधि: बीजोपचार (4 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज) व भूमि उपचार (1 कि.ग्रा.) मरूसेना 1 का कल्चर 40 से 50 कि.ग्रा. सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर।

मरूसेना 3: मित्र जीवाणु *बेसिलस* का लिग्नाइट में समुचित नमी देकर बनाया गया है। जीवाणु इस कल्चर में 120 दिन तक जिन्दा रह सकता है।

उपयोग विधि: बीजोपचार के लिये एक लीटर पानी में 125 ग्राम गुड़ का घोल बनाकर मरूसेना 3 का 200 ग्राम कल्चर मिला कर 0.4 हेक्टेयर के लिए काम में लेवें।

मरूसेना बीजोपचार

- बेहतर गुणवत्ता वाला बीज किस्म चयन करें
- 4 से 6 ग्राम मरूसेना-1 से 1 कि.ग्रा. बीज को उपचारित करें
- बीज अच्छी तरह से मिलाएं
- बीज 4 से 5 घन्टे हवा में सुखाएं
- उपचारित बीज को बुवाई में लेवें

मिश्रित मरूसेना: मित्र फफूंद *ट्राईकोर्डमा हारजेनियम* व मित्र जीवाणु *बेसिलस फरमस* का जैविक सूत्रीकरण है। इस कल्चर में दोनों 120 दिन तक जिन्दा रह सकते हैं।

उपयोग विधि: बीजोपचार के लिए 75 ग्राम गुड़ का घोल आधा लीटर पानी में 100 ग्राम कल्चर लेकर 1 कि.ग्रा. बीज डालें व सुखाकर काम में लेवें। भूमि उपचार के लिए 1 कि.ग्रा. कल्चर को 40 कि.ग्रा. खाद (गोबर) प्रति हेक्टेयर में डालें।

फसल: दलहनी व तिलहनी फसलें, जीरा व अन्य मसाला फसलें सब्जियाँ व उद्यानिकी फसलें।

उपलब्धता: खरीफ व रबी मौसम में संस्थान एटिक में।

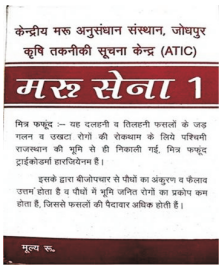

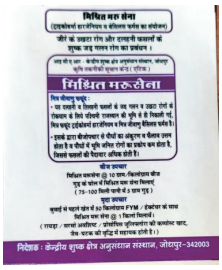

योगदान: ऋतु मावर

भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर 342 003 (भारत)

www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021

CAZRI®
Enhancing resilience of arid lands